



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 105]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 4, 1973/वैशाख 14, 1895

No. 105]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 4, 1973/VAISAKHA 14, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 4th May 1973

G. S. R. 232(E).—In exercise of the powers conferred by sub-clause (1) of clause 4-B of the Vegetable Oil Products Control Order 1947, the Vegetable Oil Products Controller for India hereby makes the following order to amend the Order of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food), No. G.S.R. 466(E) dated the 24th November 1972, namely:—

In the said Order—

- (i) in the Table, after item 2 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be added, namely:—

Name of vegetable oil	Region	Limit of usage
		(per cent by weight of vegetable oil product)
(1)	(2)	(3)
"3. Mustard oil or rapeseed oil, or both	All regions	Maximum, 10";

- (ii) after the Table, the following paragraph shall be added, namely:—

"The limit of usage of mustard oil or rapeseed oil, or both, specified in the Table shall not apply to imported rapeseed oil or oil obtained from imported rapeseed."

2. This order shall come into force from the 2-month period May-June 1973.

[No. 9-VP(10)/73.]

S. V. SAMPATHI,

Vegetable Oil Products Controller for India.

कृषि मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 4 मई 1974

सा०का०नि० 232(अ).—वनस्पति तेल उत्पाद नियंत्रण आदेश, 1947 के खण्ड 4-ख के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के वनस्पति तेल उत्पाद नियंत्रक, भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) के आदेश सं० सा०का०नि० 466 (ड), तारीख 24 नवम्बर, 1972 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश देते हैं, अर्थात् :—

उक्त आदेश में—

- (i) सारणी में, मद 2 और उसमें सम्बन्धि प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :—

वनस्पति तेल का नाम	प्रदेश	प्रयोग की सीमा (वनस्पति तेल उत्पाद के भार के आधार पर प्रतिशत)
(1)	(2)	(3)

“3. सरसों का तेल या रेपसीड का तेल सभी प्रदेश अधिकतम 10”;
या दोनों

- (ii) सारणी के पश्चात् निम्नलिखित पैरा जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“सारणी में विनिर्दिष्ट सरसों के तेल या रेपसीड के तेल या दोनों के प्रयोग की सीमा, आयातित रेपसीड के तेल या आयातित रेपसीड से अभिप्राप्त तेल को लागू नहीं होगी।”

2. यह आदेश मई-जून, 1973 दो मास की अवधि से प्रवृत्त होगा।

[सं० 9-बी पी (10)/73]

एस वी० सम्पत,

भारत के वनस्पति तेल उत्पाद नियंत्रक।